release in N-OYT General category in Nehru Place Exchange is 5.3.1991.

(b) and (c) Out of a total of 44 exchange area in Delhi, 9 exchange areas are behind even Nehru Place Exchange in

the matter of clearance of waiting list.

(d) It is planned to provide telephones to all the registrants as on 1.8.95 for Nehru Place Exchange Before 31.3.1996.

Mining of Diamonds Under Forest Land

*298. SHRI KANAKSINH MOHANSINH MANGROLA:
SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:

Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) What is the legal status of mining/ extradition of diamonds falling under the jurisdiction of forest land;

(b) whether a large number of companies have applied for mining of diamonds under the forest land in Madhya Pradesh and Orissa; and

(c) if so, what are the names of these companies and in how many cases the permission has been granted with detailed terms and conditions laid-down by Government?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS (SHRI KAMAL NATH): (a) Prior approval of the Central Government is required under the Forest (Conservation) Act, 1980 for diversion of forest land for any non-forest purpose including mining of diamonds.

(b) and (c) No proposal under the Forest (Conservation) Act, 1980 for diversion of forest land for mining of diamonds in Madhya Pradesh or Orissa is pending with the Ministry as on 31.7.1995.

आर्थिक एवं औद्योगि दृष्टि से पिछड़े क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण एककों की स्थापना हेतु प्रस्ताव

* 299. **श्री अजीत जोगी** :

श्रीमती वीणा वर्मा :

क्या खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क)क्या सरकार को वर्ष 1994- 95 के दौरान देश के आर्थिक और औद्योगिकी रूप से पिछड़े क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण एककों कीर स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं;

(ख)यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं; और

(ग) गत तीन वर्षो के दौरान देश के पिछड़े क्षेत्रों में स्थापित किए गए खाद्य प्रसंस्करण एककों का ब्यौरा क्या है?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री तरूण गोगोई) : (क) और (ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार अप्रैल 1994 से मार्च, 1995 के दौरान 526 औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन प्रस्तुत किए गए जिनमें लगभग 6229 करोड़ रूपए के निवेश तथा लगभग 71218 व्यक्तियों को रोजगार देने का उल्लेख है। इनमें से 212 औद्योगिक उद्यमी ज्ञापन केवल पिछड़े क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना से संबंधित है। इनमें 2687 करोड़ रूपए का निवेश तथा 25098 व्यक्तियों को रोजगार देने की व्यवस्था है।

(ग) अगस्त, 1991 से लेकर मार्च, 1995 तक पिछड़े क्षेत्रों में 188 खाद्य प्रसंस्करण यूनिटें स्थापित की गई हैं। जिनमें 1951 करोड़ रूपए के निवेश तथा 22100 व्यक्तियों की रोजगार देने का उल्लेख हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गो पर उपमार्गो का निर्माण करने के लिए निधार्रित मानदंड

300. **श्री दिलीप सिंह जूदेव**: क्या जल- भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय राजमार्गो पर उपमार्गो के निर्माण के लिए क्या मानदंड अपनाये जाते हैं।

(ख) मध्य प्रदेश में आगामी तीन वर्षो में राष्ट्रीय राजमार्गो पर प्रति वर्ष निर्मित किए जाने वाले उपमार्गो का ब्यौरा क्या है;

(ग) गत तीन वर्षो में राष्ट्रीय राजमार्गो पर निर्मित किए गए उपमागों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस प्रयोजन के लिए कितनी राशि आवंटित की गई हैं?

जल –भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाइटलर): 20000 अथवा अधिक जनसंख्या वाले उन कस्बों के आस- पास बाई पासों का निर्माण किया जाता है जहां सड़क मार्ग की चौड़ाई 30 मीटर से कम है और शहरी संपर्क मार्ग को अनुपयुक्त संपर्क मार्ग घोषित कर दिया जाता है।

(क) वर्ष 1995-96 और 1996-97 के दौरान मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमागों पर

निम्नलिखित बाईपासों को शुरू करने की संभावना है।

क्र.सं.	रा.रा. सं.	बाईपा का नाम	टिप्पणियां
I.	7	रीवा	
2.	7	कटनी केवल भूमि अधिग्रहण करने क प्रस्ताव	
3.	3	महो केवल भूमि अधिग्रहण करने का प्रस्ताव है।	

वर्ष 97-98 के दौरान शुरू किए जाने वाले बाईपासों के ब्यौरें बताना कठिन हैक्योंकि नौंवी योजना को अभी अन्तिम रूप दिया जाना है।

(ग) और (घ) पिछले 3 वर्षो के दौरान निर्मित बाईपासों का ब्यौरा विवरण में दिया गयाह हैं।

विवरण

पिछले तीन वर्षो के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गो पर निर्मित बाईपास

क्र. सं.	राज्य का नाम	कार्य का नाम	पूरा होने पर खर्च (लाख रू.)
1.	तमिलनाडु	रा.रा.-7 के सलेम- डिंडीगल खंड के 28-245-288/085 कि.मी तक पुगालूर बाई पास का निर्माण ।	63.93
2.	तमिनलनाडु	रा.रा. -46 के 115/0-120/6 कि.मी. में बेलूर बाईपास का निर्माण	49.20
3.	गोवा	9.357 से 14.047 कि.मी. में मापूका बाईपास के पेवमेंट का निर्माण	63.80
4.	गुजरात	रा.रा.-8 बी के 39/0से 43/5000 कि.मी. के बीच कुटीयाना बाईपास का निर्माण	143.39

Opening of Trade by Land Route between India and Myanmar

2138. SHRI MOOLCHAND MEENA
SHRI SANJAY DALMIA:
DR. BAPU KALDATE:
MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI:

Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether border trade by land route between India and Myanmar has already been started;

(b) if so, the terms of facilities offered to traders of both sides;

(c) whether Govenrment have taken any steps to provide visa and travel facilities to the traders and visitors from both countries in the absence of direct flight facility between the two countries; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) Yes, Sir. Border trade by the land route between India and Myanmar through Morsh in Manipur and Tamu on the Myanmar side was officially inauguarated on 12.4.1995.